नवभारत

ग्रीष्मकाल के लिए तैयार रहें विभाग

वाशिम में एक दिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

■ **वाशिम,** ब्यूरो. जिला आपदा व्यवस्थापन प्राधिकरण जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से वाकाटक सभागृह में गर्मी की लहर बाबत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था. कार्यशाला की अध्यक्षता में जिप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वैभव वाघमारे, उदघाटक के रुप में निवासी उप जिलाधिकारी विश्वनाथ घुगे तो अन्य प्रमुखता में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. सुहास कोरे, वाशिम तहसीलदार नीलेश पलसकर, मालेगांव तहसीलदार दीपक पुंडे, निवासी चिकित्सा अधिकारी, जिला सामान्य अस्पताल के डा. पराग राठोड़ आदि उपस्थित थे. इस कार्यशाला के लिए राज्य स्तरीय व्याख्याता तथा कार्यक्रम अधिकारी उप संचालक कार्यालय स्वास्थ्य सेवा अकोला मंडल अकोला के डा. योगश्री सोनवणे, प्रादेशिक मौसम केंद्र भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, नागपुर के डा. प्रवीणकुमार शास्त्रज्ञ, उप अभियंता यांत्रिकी, जिप, नागपुर के उप अभियंता नीलेश मानकर आदि उपस्थित थे.

लू से निपटने पर किया गया मार्गदर्शन

इस कार्यशाला में डा. योगश्री सोनावणे ने लू से निपटने के लिए कैसे तैयारी करें, इस पर मार्गदर्शन दिया. साथ ही गर्मी से संबंधित बीमारियों का सर्वेक्षण, गर्मी से संबंधित देखभाल, गर्मी से संबंधित सामान्य प्राथमिक चिकित्सा, पर्यावरण अनुकूल एवं बुनियादी ढांचा वितरण तथा गर्मी के दौरान भोजन संबंधी देखभाल पर मार्गदर्शन दिया गया. इस कार्यशाला कार्यक्रम का प्रास्ताविक, संचालन व आभार प्रदर्शन जिला आपदा व्यवस्थापन अधिकारी शाहू भगत ने किया. कार्यशाला के लिए राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, ग्राम विकास विभाग, निर्माणकार्य विभाग, लघु सिंचाई विभाग, मृद व जलसंधारण विभाग, नगर परिषद व अन्य विभाग के तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पुलिस अधिकारी, गुट विकास अधिकारी, कृषि अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी, उप अभियंता अधिकारी व कर्मचारी, एन. सी. सी. अधिकारी व विद्यार्थी, NGO सर्वधर्म आपातकालीन संस्था कारंजा, संत गाडगेबाबा खोज व बचाव पथक पिंजर, छत्रपति तरुण मित्र मंडल वाशिम, सालुंकाबाई राऊत महाविद्यालय आपातकालीन खोज व बचाव पथक वनोजा ता. मंगरूलपिर के प्रतिनिधियों ने भाग लिया.

धूप से बचाव के लिए बरतें सावधानी

- कार्यशाला के उद्घाटन के बाद निवासी उप जिलाधिकारी विश्वनाथ घुगे ने मार्गदर्शन किया.
- कार्यशाला में अध्यक्षीय मार्गदर्शन मुख्य कार्यकारी अधिकारी वैभव वाघमारे ने बताया कि गर्मी से बचने के लिए क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, इस के लिए संबंधित विभाग ने पूर्व तैयारी करनी चाहिए.
- स्वास्थ्य विभाग को प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और अस्पताल में कूल वार्ड बनाना चाहिए.
- धूप से बचाव के लिए सभी को सावधानी बरतनी चाहिए. इसके लिए सभी विभाग तैयार रहें.
- इस कार्यशाला में अपर जिलाधिकारी शाहजी पवार, उप जिलाधिकारी कैलाश देवरे, जिला अधीक्षक भूमि अभिलेख प्रभाग वाशिम के भोसले, जिला शल्य चिकित्सक डा.अनिल कावरखे ने भेंट दी.

पुण्य नगरी

उष्मालाटेच्या पूर्वतयारीसाठी यंत्रणांनी सज्ज राहावे

मुख्य कार्यकारी अधिकारी वैभव वाघमारे; वाशीम येथे कार्यशाळा उत्साहात

वाशीम, दि. २८ (प्रतिनिधी)

आगामी काळात उन्हाची तिव्रता वाढण्याची शक्यता लक्षात घेवून यंत्रणांनी उष्मालाटेपासून बचावासाठी पुर्व तयारी करुन सज्ज राहावे. असे निर्देश सीईओ वैभव वाघमारे यांनी दिले. जिल्हा आपत्ती व्यवस्थापन प्राधिकरण जिल्हाधिकारी कार्यालयाच्या वतीने २७ फेब्रुवारी रोजी उष्मालाटबाबत एक दिवसीय कार्यशाळा वाकाटक सभागृह येथे आयोजित सभेत ते बोलत होते.

या कार्यशाळेच्या कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी मुख्य कार्यकारी अधिकारी वैभव वाघमारे हे होते. तर उद्घाटक म्हणून निवासी उपजिल्हाधिकारी विश्वनाथ वि.घुगे, प्रमुख अतिथी म्हणून जिल्हा आरोग्य अधिकारी डॉ. सुहास कोरे, वाशीम तहसीलदार निलेश पळसकर, मालेगाव तहसीलदार दिपक पुंडे, निवासी वैद्यकीय अधिकारी डॉ. पराग राठोड यांची उपस्थिती होती. याप्रसंगी निवासी उपजिल्हाधिकारी विश्वनाथ घुगे यांनी मार्गदर्शन केले. या कार्यशाळेला राज्यस्तरावरील व्याख्याते म्हणून कार्यक्रम अधिकारी आरोग्य सेवा डॉ. योगश्री सोनवणे, प्रादेशिक मौसम केंद्र भारतीय मौसम विज्ञान विभागाचे शास्त्रज्ञ डॉ. प्रविणकुमार, नागपूर जिपचे उप अभियंता निलेश मानकर यांची उपस्थिती होती. याप्रसंगी मुख्य कार्यकारी अधिकारी वैभव वाघमारे यांनी सांगितले की, उष्मालाटेपासून बचाव करण्यासाठी संबधित विभागांनी पूर्व तयारी करावी. आरोग्य विभागाने प्रत्येक प्राथमिक आरोग्य केंद्रात

व रूग्णालयामध्ये कुल वॉर्ड तयार करावे. उन्हापासून बचाव करण्यासाठी प्रत्येकाने काळजी घ्यावी. याबाबत सर्व यंत्रणांनी सज्ज राहावे.या कार्यशाळेला अपर जिल्हाधिकारी शहाजी पवार, उपजिल्हाधिकारी रोहयो कैलास देवरे, जिल्हा अधीक्षक भूमी अभिलेख भोसले, जिल्हा शल्य चिकित्सक डॉ.अनिल कावरखे यांनी भेट दिली. व्याख्याते डॉ. योगश्री सोनवणे यांनी उष्णतेच्या लाटेची पूर्वतयारी कशी करावी. या संबंधित मार्गदर्शन करताना उष्णतेशी संबंधित आजारांचे होणारे सर्वेक्षण, घ्यावयाची काळजी, सामान्य प्रथमोपचार, पर्यावरणपूरक हरित आणि पायाभूत सुविधा पोहचविण्याबाबत व उन्हाळ्यात अन्ना संबंधित घ्यावयाच्या काळजीबाबत मार्गदर्शन केले. दरम्यान, डॉ. प्रविकुमार, निलेश मानकर, श्याम सवाई, दिपक सदाफळे आदिंनी मार्गदर्शन केले. या कार्यक्रमाचे प्रास्ताविक, सूत्रसंचालन व आभार प्रदर्शन जिल्हा आपत्ती व्यवस्थापन अधिकारी शाहू भगत यांनी केले. या कार्यशाळेला महसूल, कृषी, ग्रामविकास, वैद्यकीय, बांधकाम, लघु पाटबंधारे, मृद व जलसंधारण,पोलीस विभाग, नगर परिषद, एन. सी. सी. अधिकारी व विद्यार्थी व आपत्कालीन शोध व बचाव पथकातील समाजसेवी प्रतिनिधींचा सहभाग होता.कार्यशाळा यशस्वी करण्यासाठी जिल्हा आपत्ती व्यवस्थापन अधिकारी शाहू भगत, सहाय्यक अधीक्षक अनिल घोडे, महसूल सहाय्यक विनोद मारवाडी, श्रीकांत वडोदे, अ.का. मारोती खंडारे, गजानन मेसरे, अमोल काळे एनसीसी अधिकारी, इंजी. किरण सोळंके, तौकिर बेनीवाले आय.टी.असिस्टंट, मुकुंदा कांबळे, क्रिश बंगारे, कैलास कांगटे शिपाई यांनी परिश्रम घेतले.

Smart Washim Edition
Feb 29, 2024 Page No. 01
Powered by: erelego.com

TheHitavada
Vidarbha Line | 2024-02-29 | Page- 2
ehitavada.com

Washim officials prepare to tackle heat wave

■ District Correspondent
WASHIM, Feb 28

IN A concerted effort to brace for potential heat waves and ensure the safety and well-being of residents, the District Disaster Management Authority in Washim recently organised a day-long workshop at the Wakatak auditorium. Led by CEO Vaibhav Waghmare, the event garnered widespread acclaim and participation from a diverse array of stakeholders, including esteemed dignitaries, government officials, community leaders, and representatives from various non-governmental organiwations (NGOs).

The workshop served as a pivotal platform for expert discourse, collaborative brainstorming, and proactive strategizing on heat wave preparedness initiatives. With the scorching summer months looming ahead, the gathering took on added significance as attendees converged to exchange knowledge, share best practices, and forge synergies in the collective quest to fortify the district's defenses against the potentially debilitating impacts of extreme heat events. Amidst an atmosphere charged with anticipation and determination, participants had the distinct privilege of engaging with a distinguished lineup of speakers, renowned for their expertise and insights in the field of disaster management and climate resilience.

Officials being welcomed.

Notable luminaries such as Resident Deputy Collector Vishwanath V. Ghuge, District Health Officer Dr Suhas Kore, Tahasildar Nilesh Palaskar, Dipak Punde and Dr Parag Rathod graced the occasion, offering invaluable perspectives and guidance on navigating the multifaceted challenges posed by heat waves.

The workshop proceedings unfolded as a tapestry of enlightening discussions, informative presentations, and interactive sessions, with themes ranging from early warning systems and heat-related illnesses to innovative adaptation strategies and community resilience-building efforts. Esteemed speakers such as Dr Yogashree Sonwane and Dr Pravin Kumar captivated audiences with their in-depth analyses and pragmatic solutions, empowering participants with the knowledge and tools needed to confront the impending threat of rising temperatures head-on.

With an unwavering commitment to inclusivity and collaboration, the workshop drew attendees from an extensive spectrum of governmental departments, including but not limited to the Revenue Department, Police Department, Health Department, Agriculture Department, and Village Development Department. The vibrant tapestry of perspectives and expertise represented a testament to the district's collective resolve and unity of purpose in confronting the shared challenge of climate change-induced heat waves.

As the curtains drew to a close on this momentous gathering, the resounding consensus echoed the sentiment of solidarity, determination, and preparedness.

The successful conclusion of the workshop symbolised not only a significant milestone in the district's journey towards climate resilience but also a beacon of hope and inspiration for communities far and wide. The workshop was skillfully moderated by District Disaster Management Officer Shahu Bhagat.

Powered by iDocuments